भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (का.हि.वि.), वाराणसी।

<u>हिन्दी पखवाड़ा (सितंबर 04-18, 2020)</u>

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 04.09.2020 से दिनांक 18.09.2020 तक किया गया। हिन्दी पखवाड़ा के दौरान निम्नलिखित आयोजन किये गए-

1. हिन्दी पखवाड़ा का उदघाटन :

संस्थान में 04 सितंबर , 2020 को हिन्दी पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया , जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्य किये गए-

- संस्थान में वर्ष 2019-20 के दौरान हिन्दी में किए गये कार्यों की आख्या जारी की गई।
- हिन्दी पखवाड़ा के शुभारंभ के अवसर पर निदेशक महोदय की अपील जारी की गई।
- संस्थान के प्रशासनिक भवन में हिन्दी नारों के बैनर का प्रदर्शन किया गया।

2. हिन्दी पुस्तकों की प्रदर्शनी :

संस्थान के मुख्य ग्रंथालय में हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी के पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन 04 सितंबर 2020 से 18 सितंबर 2020 तक किया गया। उक्त प्रदर्शनी में हिन्दी से संबन्धित विभिन्न पुस्तकों का संग्रह उपलब्ध था।

3. काव्य गोष्ठी का आयोजन :

संस्थान में 12 सितंबर , 2020 को सायं 6.30 बजे से ऑनलाइन मंच पर काव्य गोष्ठी का आयोजन निदेशक महोदय की अध्यक्षता में किया गया। उक्त कार्यक्रम के संयोजक आचार्य संजय कुमार पांडेय , गणितीय विज्ञान विभाग एवं संचालक डॉ. भावना वर्मा, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग थी। उक्त आयोजन के **मुख्य अतिथि कवि आचार्य प्रयास चतुर्वेदी , फ्रेंच विभाग , काशी हिन्दू विश्वविद्यालय** थे। काव्य संध्या में आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी , अधिष्ठाता (संसाधन एवं पूर्व छात्र) , डॉ. अनीता मोहन , भौतिकी विभाग, आचार्य संजय कुमार पांडेय, गणितीय विज्ञान विभाग, आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, आचार्य बी. मिश्रा, भैषजकीय अभियांत्रिकी विभाग एवं डॉ. भावना वर्मा, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग ने अपने-अपने स्वरचित काव्य पाठ प्रस्तुत किए। आचार्य संजय कुमार शर्मा , खनन अभियांत्रिकी विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

4. हिन्दी दिवस समारोह :

संस्थान में दिनांक 14.09.2020 को हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन ऑनलाइन मंच पर गूगल मीट के माध्यम से किया गया , जिसमें संस्थान परिवार के लगभग 42 शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम संस्थान के निदेशक महोदय की अनुमति से प्रारम्भ हुआ। हिन्दी पखवाड़ा आयोजन समिति- 2020 के अध्यक्ष आचार्य संजय कुमार पांडेय द्वारा स्वागत सम्बोधन किया गया एवं आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री जी के संदेश का

वाचन किया गया। संस्थान के कुलसचिव डॉ. शुभेन्दु प्रकाश माथुर द्वारा हिन्दी पखवाड़ा की अवधि में संस्थान में आयोजित कार्यक्रमों की आख्या प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. सतीश देशपांडे , अतिरिक्त निदेशक , उच्च शिक्षा विभाग , छत्तीसगढ़, रायपुर ने हिन्दी पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि भाषा के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ना चाहिए। जिन बच्चों की शिक्षा मातृभाषा में नहीं होती है उनमें रीति-रिवाजों और मानव मूल्यों का विकास नहीं होता है। वे परिवार से दूर हो जाते हैं। भाषा एक संस्कार है। शिक्षा में सबसे बढ़ा योगदान शिक्षक का होता है। यदि हमारी नीव सही है तो इमारत भी सही होगा। डॉ. सतीश देशपांडे ने बताया कि हिन्दी का शब्दकोष ज्यादा धनी है। आंचलिक भाषाओं में मन की बात होती है। हिन्दी के देशी उपसर्ग, प्रत्यय को बढ़ावा देना चाहिए।

संस्थान के निदेशक आचार्य प्रमोद कुमार जैन द्वारा कार्यक्रम का अध्यक्षीय सम्बोधन प्रस्तुत किया गया। निदेशक महोदय ने कहा कि प्रत्येक वर्ष हिन्दी दिवस मनाने की आवश्यकता इसलिए पड़ती है क्योंकि इससे हम हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्मरण करते हैं। संस्थान की हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट में हिन्दी के आंकड़ो में लगातार बढोत्तरी हो रही है। नई शिक्षा नीति 2020 में प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में देने का प्रावधान है, जिससे भावी पीढ़ी में भारतीय भाषाओं का ज्ञान बढ़ेगा।

कार्यक्रम का समापन संस्थान के संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन) श्री राजन श्रीवास्तव के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।